

Sann-Hemp

796. **Shri M. D. Joshi:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether sann-hemp grown in Rajapur and Deogad Talukas in Ratnagiri District is reckoned as of the highest quality;

(b) if so, what steps Government have taken to promote its plantation and organization of the industry as a cottage industry; and

(c) whether Government have directed any research to be conducted in respect of the product so as to improve its quality and preparation of finer articles of wear from it?

The Minister of Food and Agriculture (Shri A. P. Jain): (a) to (c). Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

जकार्ता में प्रदर्शनी

७९७. **श्री विभूति मिश्र:** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जकार्ता में वर्ष १९५५ में हुई प्रदर्शनी में भारत ने भारतीय रेलों द्वारा बनाया गया कुछ सामान भेजा था ;

(ख) यदि हां, तो कौन सी वस्तुयें भेजी गई थीं ; और

(ग) किन वस्तुओं के लिये मांग की गई ?

रेलवे तथा परिवहन उपमंत्री (श्री झलगोशन): (क) भारतीय मंडप के रेलवे खंड में कुछ नमूने, इस्तिहार और चित्र रखे गये थे ।

(ख) (१) नीचे लिखी चीजों के नमूने :—

एक हापर माल-डिब्बा ;
डब्ल्यू० पी० नमूने का एक इंजन ;
दो-मंजिला सवारी डिब्बा ;
एक सक्शन ड्रेजर (Suction Dredger);

चिहारंजन इंजन कारखाने का खाका ;

बोलपुर विश्रामालय ; और
खनिज पदार्थों से भरे हुये कुछ
माल-डिब्बे ।

(२) सोलह मंठे हुये इस्तिहार ;

(३) चित्रों के तेरह पैल ।

(ग) दर्शकों ने इस बात की पूछताछ की थी कि क्या भारतीय रेलें, इंजन, डिब्बे और रेल की पटरी के सामान दे सकती हैं ।

इन्डियन एयरलाइन्स कारपोरेशन

७९८. **श्री के० सी० सोषिया :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इन्डियन एयरलाइन्स कारपोरेशन के विमानों का बीमा कराने के व्यय में १९५५-५६ में दस लाख रुपये की वृद्धि होने के क्या कारण हैं ; और

(ख) १९५४-५५ में दुर्घटना के फल-स्वरूप कारपोरेशन को बीमा-कम्पनियों से कितनी राशि प्राप्त हुई है ?

संचार उपमंत्री (श्री राज बहादुर) :

(क) १९५४-५५ की संख्या से १९५५-५६ की संख्या में १०.७२ लाख रुपये की बीमा-अधि-शुल्क में वृद्धि के कारण यह है :—

(१) नये खरीदे हुये हेरन वायु-यानों का बीमा ;

(२) स्व-बीमा योजना का जारी करना ;

(३) उड़ान कारकों (Flying crew) की संख्या में वृद्धि ;

(४) सविसेज कमेटी की सिफारिशों के फलस्वरूप निगम के उड़ान कारकों (Flying crew) तथा अन्य कर्मचारियों का बीमा अब अधिक धन के लिये किया जाता है ।

(ख) ८१,००० रुपये ।